ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 26 | जुलाई -I- 2024 | अंक - 07 | माउण्ट आबू | Rs.-12

आध्यात्मिकता द्वारा विश्व बंधुत्व को शक्ति प्रदान करने का अनूठा प्रयास

- राष्ट्रपति

भारत मंडपम, प्रगति मैदान : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की वार्षिक सेवा योजना ' आध्यात्मिक सशक्तिकरण से स्वच्छ और स्वस्थ समाज' का राष्ट्रीय शुभारंभ

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान विश्व बन्धुत्व के विस्तृत और सुदृढ़ आधार पर खड़ा है, जो पंथ और धर्मों की सीमाओं से परे है- द्रौपदी मुर्मू]

नई दिल्ली-भारत मंडपम। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की वार्षिक योजना 'स्वच्छ और स्वस्थ समाज के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण' का शुभारंभ प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में हुआ। मंडपम के प्लेनरी सभागार में इस योजना का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि यह संस्थान आध्यात्मिक बंधुता यानी विश्व बंधुत्व व वसुधैव कुटुम्बकम् के महान आदर्श और सुदृढ़ आधार पर खड़ा है, जो कि पंथ और धर्मों की परिभाषाओं में सीमित नहीं है।

'एक ईश्वर-एक विश्व परिवार' की चेतना को पूरे विश्व में पहुंचाया

राष्ट्रपति ने कहा कि अक्टूबर 2023 में राष्ट्रपति भवन में आयोजित 'इंटरफेथ मीट' का उद्देश्य भी प्रेम, करुणा, शांति, पवित्रता, सत्य और अहिंसा जैसे मूल्यों पर आधारित था, जो सभी धर्मों में विद्यमान है। उन्होंने कहा कि 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना के अनुरूप 'एक ईश्वर एक विश्व परिवार' की चेतना को ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान ने पूरे विश्व में प्रसारित किया है। धार्मिक सद्भावना व मानवीय एकता पर आधारित यह संस्था, आध्यात्मिक चेतना व वार्षिक परियोजना एक स्वच्छ और स्वस्थ समाज की पुनः स्थापना में सफल होगी।

आध्यात्मिकता के द्वारा सकारात्मकता को दिया बढ़ावा

महर्षि वेदव्यास के एक कथन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि मनुष्य परोपकार से जैसे पुण्य का भागी बनता है, वैसे दूसरों को कष्ट देने से पाप का भी भागी बनता है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान आध्यात्मिक सशक्तिकरण द्वारा मनुष्यों में पनप रही नकारात्मकता तथा निराशा को सकारात्मकता एवं शुभ आशा में परिवर्तित कर व्यक्तिगत जीवन को सुखमय बनाने में सार्थक भूमिका निभा रहा है।

विश्व परिवर्तन के लिए महिलाओं द्वारा संचालित विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक संगठन 'ब्रह्माकुमारीज़' : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू नई दिल्ली में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित 'स्वच्छ और स्वस्थ समाज के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण' कार्यक्रम के शुभारंभ समारोह में शामिल हुईं। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि विश्व इतिहास के तथा राष्ट्रों के इतिहास के स्वर्णिम अध्याय सदैव आध्यात्मिक मूल्यों पर आधारित रहे हैं। विश्व इतिहास साक्षी है कि आध्यात्मिक मूल्यों का तिरस्कार करके केवल भौतिक प्रगति का मार्ग अपनाना अंततः विनाशकारी ही सिद्ध हुआ है। स्वच्छ मानसिकता के आधार पर ही समग्र स्वास्थ्य संभव होता है। सही अर्थों में स्वस्थ व्यक्ति शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक तीनों आयामों पर खरा उतरता है। ऐसे व्यक्ति स्वस्थ समाज, राष्ट्र और विश्व समुदाय का निर्माण करते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि आध्यात्मिक सशक्तिकरण ही वास्तविक सशक्तिकरण होता है। जब किसी धर्म और पंथ को मानने वाले अध्यात्म के आधार से हट जाते हैं तो वे धर्मान्धता का शिकार हो जाते हैं और अस्वस्थ मानसिकता से ग्रस्त हो जाते हैं। आध्यात्मिक मूल्य सभी धर्मों के लोगों को एक-दूसरे से जोड़ते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि स्वार्थ से ऊपर उठकर लोक-कल्याण की भावना से कार्य करना, आंतरिक आध्यात्मिकता की सामाजिक अभिव्यक्ति है। लोक-हित यानी परोपकार करना सबसे महत्वपूर्ण आध्यात्मिक मूल्यों में से एक है।

राष्ट्रपति ने कहा कि भय, आतंक और युद्ध को बढ़ावा देने वाली शक्तियां विश्व के कई हिस्सों में बहुत सक्रिय हैं। ऐसे वातावरण में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान ने 100 से अधिक देशों में अनेक केन्द्रों के माध्यम से मानवता के सशक्तिकरण का प्रभावी मंच उपलब्ध कराया है। यह आध्यात्मिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार द्वारा विश्व बंधुत्व को शक्ति प्रदान करने का अमूल्य प्रयास है। राष्ट्रपति ने कहा कि मुझे ये देखकर प्रसन्नता होती है कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान महिलाओं द्वारा संचालित किया जाने वाला विश्व का संभवतः सबसे बड़ा आध्यात्मिक संस्थान है। उन्होंने कहा कि इस संस्थान में ब्रह्माकुमारी बहनें आगे रहती हैं तथा उनके सहयोगी ब्रह्माकुमार भाई नेपथ्य में कार्यरत रहते हैं। ऐसे अनूठे सामंजस्य के साथ यह संस्थान निरंतर आगे बढ़ रहा है। ऐसा करके इस संस्थान ने विश्व समुदाय के सम्मुख आध्यात्मिक प्रगति और महिला सशक्तिकरण का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया है।

ज्ञान-योग के द्वारा समाज सेवा में सक्रियता बढ़ी

राष्ट्रपति ने अपने व्यक्तिगत जीवन का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे वे ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग ध्यान के अभ्यास द्वारा सशक्त होकर प्रबल पीड़ा के दौर से बाहर निकल आईं और सक्रियता से समाज सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ सकीं।

स्वस्थ पीढ़ी निर्माण के लिए बच्चों में सेवाभाव जागृत करना अनिवार्य

युवाओं में आध्यात्मिक जागृति तथा महिला सशक्तिकरण जैसे कार्यक्रमों से ब्रह्माकुमारीज़ ने अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि प्राथमिक शिक्षा में बच्चों के अंदर सादगी, सत्यनिष्ठा और सेवा भाव जागृत करना स्वस्थ पीढ़ी के निर्माण के लिए अनिवार्य है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. मोहित गुप्ता ने 'संकल्प, साधना और सिद्धि' व संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी ने 'आंतरिक शक्तियों का विकास' विषय पर सभी को प्रेरणा दी। मध्यकालीन सत्र राष्ट्रीय महिला सम्मेलन में वक्ता के रूप में अध्यक्षा एआईडब्ल्यूसी कल्याणी राज, अधिवक्ता उच्चतम न्यायालय प्रियदर्शिनी राहुल, अध्यक्षा राष्ट्रीय महिला आयोग रेखा शर्मा तथा अतिरिक्त सचिव कोयला मंत्रालय रूपेन्द्र बरार उपस्थित रहे। मुख्य वक्तव्य माउण्ट आबू से आईं संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुदेश दीदी ने दिया। महिला प्रभाग की राष्ट्रीय अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. चक्रधारी दीदी ने आशीर्वचन दिया तथा राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. डॉ. सविता दीदी ने महिला प्रभाग की सेवाओं पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. शारदा दीदी ने मंच का कुशल संचालन किया। सायंकालीन सत्र 'समय की पुकार' विषय पर परिचर्चा में ब्र.कु. जयंती दीदी, अति. महासचिव ब्र.कु. ब्रजमोहन भाई तथा लंदन से आए प्रसिद्ध लेखक तथा पत्रकार नेविल हौजकिन्सन उपस्थित रहे। संचालन वरिष्ठ पत्रकार नारायणी गणेश ने किया।

संगीत संध्या की सुमधुर संगीत की लहरियों का सभी ने आनंद लिया। जिसमें प्रसिद्ध आध्यात्मिक गायिका बहन अस्मिता, बहन रीना, किरण बहन, चांद मिश्रा, जयगोपाल भाई आदि शामिल रहे।